त्योहार को अपने परिवार वालों के साथ

अभी भी चल रहा है।

Aaj Samaj 23/12/2018

पेक के पूर्व छात्र ने बनाई चाणक्य चक्र

फेक आइडेंटिटी की जांच के लिए राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहचान प्रणाली

चंडीगढ़। पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक) के पूर्व छात्र कर्नल (सेवानिवृत्त) संजीव कौल, जोकि सिक्योरिटी टेक्नोलॉजिस्ट एवं छह पुस्तकों के लेखक हैं ने भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और देश की प्रौद्योगिकी को सुरक्षित बनाने हेतु एक दशक तक शोध के बाद एक टेक्नोलॉजी विकसित की है। उन्होंने पहले से ही मौजूद प्रौद्योगिकी को सुधार कर एक डायनेमिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (डीआईडी) तैयार किया है। कर्नल कौल ने अपने अभिनव प्रोजेक्ट को ह्याचाणक्य चक्र ह्य नाम दिया है, जो लागू होने के बाद डीआईडी आधारित एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय इंटरफेस उपलब्ध कराएगा। कर्नल कौल का रिसर्च प्लेटफार्म एक गतिशील पहचान प्रणाली प्रदान करेगा, जो बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के पहचान के साथ-साथ सत्यापन भी करेगी। यह डिवाइस ह्यपामेट्रिक्स ह्य मूल रूप से एक कम्पेटिबल हार्डवेयर मशीन है।

व्यक्ति की कर लेगा पहचान

कर्नल कौल ने कहा कि दुनिया में किन्हीं दो व्यक्तियों की हथेलियों की रेखाएं एक जैसी नहीं होतीं, यहां तक कि जुड़वां बच्चों में भी नहीं। उसी पर आधारित तकनीक का प्रयोग करके यह इंटरफेस तैयार किया गया है, जो किसी व्यक्ति की पहचान हासिल करने का सबसे विश्वसनीय तरीका है। यह यूआईडी जैसे पहचान के अन्य तरीकों से विपरीत है और इसकी प्रणाली में एक अलग गतिशीलता है, जो देश के बहुमुखी विकास के लिए सभी स्तरों पर आवश्यक है।